भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)
निगम कार्यालय, गड्डी बाउली – हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी-सी सी/एम आर /04 दिनांक : 14 जनवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने बीडीएल में भारतीय वायु सेना को आपूर्ति के लिए 'अस्त्र' मिसाइल को झंडी दिखाई

माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने आज भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल), कंचनबाग इकाई, हैदराबाद का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने भारतीय वायु सेना को आपूर्त की जाने वाली स्वदेशी रूप से विकसित और विनिर्मित 'अस्त्र' मिसाइल को हरी झंडी दिखाई। इस समारोह के दौरान कमोडोर ए माधवारव (से.नि.), सी एम डी, बी डी एल, श्री यू राजाबाबू, महनिदेशक एम एस एस और डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और बीडीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'अस्त्र' हवा से हवा में मार करने वाली दृश्य सीमा से परे की मिसाइल है जो भारतीय वायु सेना के लिए डी आर डी ओ द्वारा विकसित और बी डी एल द्वारा विनिर्मित है। 'अस्त्र' मिसाइल विश्व की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की श्रेणी की एक उत्कृष्ट मिसाइल है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 100 कि.मी. से अधिक है।

इस फ्लैग ऑफ कार्यक्रम से बी डी एल हवा से हवा में मार करने वाली उत्कृष्ट श्रेणी की चुनिंदा मिसाइल विनिर्माणकर्ताओं की श्रेणी में शामिल हो गई है।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने भारत सरकार की आत्मनिर्भरता नीति के अनुरूप देशी तौर पर विकसित मिसाइलों के विनिर्माण के प्रयासों के लिए बी डी एल को बधाई दी। साथ ही, माननीय रक्षा मंत्री ने देश के रक्षा निर्यात में वृद्धि करने में बी डी एल के योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए कमोडोर ए माधवाराव (से.नि.) ने कहा कि बी डी एल का ध्यान हमेशा अधिकतम देशी घटकों को शामिल करते हुए 'मेक इन इंडिया' पर केंद्रित रहता है। उन्होंने आगे कहा कि 'अस्त्र' हथियार प्रणाली के लिए कई मित्र देशों से 'लीड' प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि बी डी एल ने 'अस्त्र'

मिसाइल की देशी और विदेशी मॉंग को देखते हुए इसकी विनिर्माण क्षमताओं में पहले ही वृद्धि कर रखी है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी बताया कि दि. 12 जनवरी, 2024 को डी आर डी ओ द्वारा परीक्षित उत्कृष्ट रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर युक्त आकाश-एन जी मिसाइल भी बी डी एल में ही बनी है। हाल ही में भारतीय वायु सेना द्वारा किये गये 'आकाश' के परीक्षण से भारत ने एकल फायरिंग यूनिट का उपयोग कर कमांड गाइडेंस द्वारा 25 किमी की दूरी पर एक साथ चार हवाई लक्ष्यों को भेजने की क्षमता प्रदर्शित करने वाला पहला देश बनने का गौरव प्राप्त किया है। आगे सी एम डी, बी डी एल ने कहा कि ये परीक्षित सभी मिसाइल बी डी एल की कंचनबाग इकाई में बनायी गईं हैं।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने बी डी एल कंचनबाग इकाई की विभिन्न विनिर्माण सुविधाओं का दौरा किया और सी एम डी, बी डी एल ने बी डी एल की विनिर्माण क्षमताओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर श्री एन श्रीनिवासुलू, निदेशक (वित्त), श्री पी वी राजाराम, निदेशक (उत्पादन), डॉ. उपेंदर वेन्नम, आई पी ओ एस, मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित बी डी एल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

डी आर डी ओ द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित और बीडीएल द्वारा विनिर्मित भारतीय वायु सेना को आपूर्त की जाने वाली 'अस्त्र' मिसाइल को झंडी दिखाते हुए श्री अजय भट्ट, माननीय रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार।

बीडीएल कंचनबाग इकाई की विभिन्न विनिर्माण सुविधाओं का दौरा करते हुए माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट। बी डी एल की विनिर्माण सुविधाओं की जानकारी देते हुए सी एम डी, बी डी एल कमोडोर ए माधवाराव (से.नि.)

बी डी एल में माननीय रक्षा राज्य मंत्री के साथ ग्रुप फोटो